हरिभूमि
बेमेतरा भूमि

रायपुर, शुक्रवार 5 जून 2026

बेमेतरा | देवकर | नवागढ़ | साजा | परपोड़ी | थानखम्हरिया | नांदघाट

12 मंत्री दयाल दास ने जनसमस्या निवारण शिविर में सुनीं ...

11 बेरला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल ...

खबर संक्षेप

प्राचीन राम मंदिर में आज से श्रीमद्भागवत कथा

साजा। शहर के प्राचीन राम मंदिर प्रांगण में 5 जून से 11 जून तक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक आयोजन का शुभारंभ शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। कथा का वाचन सुप्रसिद्ध कथा वाचक पंडित सत्येंद्र कृष्ण जी द्वारा किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से कथा का आयोजन होगा, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों एवं भागवत महापुराण के महत्व का वर्णन किया जाएगा। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इस धार्मिक आयोजन का संचालन माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा किया जा रहा है। मंडल की अध्यक्ष सोनल राठी ने क्षेत्र के धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण करने तथा आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

विकासखण्ड बेरला के कार्यालय भवन में समाधान शिविर आज

बेमेतरा। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत 05 जून को जनपद पंचायत बेरला के नगर पंचायत बेरला के कार्यालय भवन में समाधान शिविर आयोजित किया गया है। नगर पंचायत बेरला के वार्ड 01 से वार्ड क्र. 15 तक के लिए यह शिविर आयोजित किया गया है। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे निर्धारित किया गया है। समाधान शिविर में विभिन्न योजनाओं से पात्र अनेक हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। शिविर में प्राप्त आवेदनों का यथासंभव निराकरण किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। शिविर में शासन द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने ग्रामीण जनों को शिविर में उपस्थित होकर शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

ढाबे में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। शहर के बहेरा स्थित एक ढाबे में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज और तोड़फोड़ करने के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी कार्तिक राजपूत उर्फ भावेश (28 वर्ष), निवासी भावेश ढाबा बहेरा ने 31 मई को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि प्रमोद बंजारे एवं उसके अन्य साथी तीन वाहनों में सवार होकर ढाबे पर पहुंचे और एक राय होकर जबरन ढाबे तथा घर के अंदर प्रवेश कर गए। आरोपियों ने प्रार्थी एवं उसके परिजनों के साथ अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी तथा हाथ-मुक्का, डंडा और रॉड से मारपीट की। घटना में नीरज सिंह राजपूत, कार्तिक सिंह राजपूत सहित अन्य लोगों को चोटें आईं। आरोपियों ने ढाबे में रखी कोल्ड ड्रिंक की बोतलें, प्लास्टिक कुर्सियां तथा सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर को भी डंडे और रॉड से तोड़कर नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद आरोपी अपने वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गए थे। रिपोर्ट के आधार पर थाना बेमेतरा में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी सिटी कोतवाली शेष पेज 10 पर

खास दिन : विश्व पर्यावरण दिवस आज, होगा संरक्षण पर मंथन

गांव-गांव में पर्यावरणीय चुनौती, आज विशेष ग्राम सभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जिले सहित राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। ग्राम सभाओं में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर संकल्प पारित किया जाएगा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशानुसार जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व), जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों को विशेष ग्राम सभा के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सभाओं में पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, स्वच्छता एवं पौधरोपण को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा। इस दौरान ग्रामीणों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने, जल स्त्रोतों की सुरक्षा करने तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का संकल्प लेंगे। जनप्रतिनिधियों शेष पेज 10 पर

ग्राम सभा की होगी वीडियो रिकॉर्डिंग

निर्देशानुसार विशेष ग्राम सभा की कार्यवाही की अधिकतम 15 मिनट की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। ग्राम सभा में लिए गए निर्णयों एवं संकल्पों को निर्धारित मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से अपलोड किया जाएगा, जिससे गतिविधियों की निगरानी एवं दस्तावेजीकरण सुनिश्चित किया जा सके।

स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु' विषय पर होगा विशेष जोर

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम "स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु" को ध्यान में रखते हुए ग्राम सभाओं में समुदाय आधारित स्वच्छता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा जमीनी स्तर पर सतत एवं व्यवहारिक उपायों को बढ़ावा देने पर विशेष चर्चा की जाएगी।

जनभागीदारी से सफल होगा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान

जिला प्रशासन ने सभी ग्रामवासियों, जनप्रतिनिधियों, महिला स्व-सहायता समूहों, युवा संगठनों एवं सामाजिक संस्थाओं से विशेष ग्राम सभा में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है। प्रशासन का मानना है कि जनभागीदारी एवं सामुदायिक सहयोग से ही स्वच्छ, स्वस्थ एवं पर्यावरण अनुकूल गांवों का निर्माण संभव है। विशेष ग्राम सभा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति व्यापक जनजागरूकता विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक और जल संरक्षण के लिए जागरूकता

ग्राम सभा के दौरान ग्रामीणों को सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाएगा तथा इसके उपयोग में कमी लाने का संकल्प दिलाया जाएगा। इसके साथ ही वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण, भूजल संवर्धन, स्वच्छ पेयजल स्रोतों की सुरक्षा तथा पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

पर्यावरण दिवस विशेष

64 साल पहले दादा के साथ लगाया था पहला पौधा, आज 105 पेड़ों की छांव में सांस ले रहा गांव

76 साल के बुजुर्ग ने अकेले बदली गांव की तस्वीर

शुभम दुबे ▶▶| नवागढ़

बाघुल गांव में सड़क किनारे खड़े विशाल वृक्ष केवल हरियाली नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के 64 वर्षों के समर्पण की जीवंत पहचान हैं। 76 वर्षीय काशीराम ध्रुव ने 12 साल की उम्र में अपने दादा महासिंह ध्रुव के साथ पौधे लगाने की शुरुआत की थी। छह दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी उनका यह अभियान लगातार जारी है। फर्क सिर्फ इतना है कि तब वे दादा के साथ पौधे लगाते थे, आज अकेले उनकी विरासत संभाल रहे हैं। गांव और आसपास के क्षेत्रों में अब तक वे 105 से अधिक छायादार एवं फलदार वृक्ष लगा चुके हैं। इन पौधों की घेराबंदी, सिंचाई और सुरक्षा का अधिकांश काम भी उन्होंने स्वयं किया। उनके लगाए वृक्ष आज गांव को छांव, स्वच्छ हवा और हरियाली दे रहे हैं। काशीराम ध्रुव बताते हैं कि उनके दादा महासिंह ध्रुव गांव में बगीचे लगाते थे और पेड़ों की सेवा को पुण्य का कार्य मानते थे। बचपन में वे भी उनके साथ गड्ढे खोदने, पौधे लगाने और पानी देने का काम करते थे। धीरे-धीरे यही काम उनके जीवन का उद्देश्य बन गया। दादा कहा करते थे कि पेड़ आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी पूंजी हैं। यही सीख काशीराम के मन में ऐसी बसी कि उन्होंने पूरी जिंदगी हरियाली को समर्पित कर दी।

पौधे लगाए ही नहीं, उन्हें बड़ा भी किया

पौधारोपण के बाद पौधों को बचाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है। काशीराम ध्रुव ने यह जिम्मेदारी भी पूरी निष्ठा से निभाई। पशुओं से सुरक्षा के लिए बाड़ लगाई, गर्मी में पानी की व्यवस्था की और वर्षों तक पौधों की निगरानी करते रहे। ग्रामीणों का कहना है कि कई पौधों को उन्होंने बच्चों की तरह पाला है। यही वजह है कि उनके लगाए अधिकांश पौधे आज विशाल वृक्ष बन चुके हैं।

हरियाली बढ़ी, लेकिन सम्मान नहीं मिला

सबसे हैरानी की बात यह है कि 64 वर्षों से लगातार पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण का कार्य करने वाले काशीराम ध्रुव को आज तक किसी बड़ी सरकारी योजना से सहायता नहीं मिली। न ही उन्हें किसी उल्लेखनीय सरकारी सम्मान या पुरस्कार से नवाजा गया है। ग्रामीणों का मानना है कि जिस व्यक्ति ने अपने जीवन का अधिकांश हिस्सा पर्यावरण संरक्षण को समर्पित कर दिया, उसके कार्यों को पहचान और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। गांव के लोग उन्हें क्षेत्र का वास्तविक हरित प्रहरी मानते हैं।

ग्रामीण बोले- यह व्यक्ति नहीं, पूरा पर्यावरण अभियान

ग्रामीण राजेश धर दीवान कहते हैं, कि काशीराम ध्रुव ने साबित कर दिया कि अकेला व्यक्ति भी पूरे गांव की तस्वीर बदल सकता है। उनके लगाए पेड़ों का लाभ आज हर शेष पेज 10 पर

कृष्ण कुंज में सूख रही हरियाली, जिम्मेदारी की छांव अब भी तलाश में

नवागढ़। तीन साल पहले बड़े-बड़े संकल्पों, कैमरों की चमक और हरियाली के सपनों के साथ जिस कृष्ण कुंज की नींव रखी गई थी, आज वहां हरियाली से ज्यादा सूखे पौधे और सवाल नजर आ रहे हैं। नगर पंचायत में वर्ष 2022-23 में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 0.40 हेक्टेयर भूमि पर विकसित यह परियोजना अब सरकारी योजनाओं की उस कहानी का हिस्सा बनती दिख रही है, जिसमें पौधे तो लगाए जाते हैं, लेकिन बाद में उनकी किस्मत भगवान भरोसे छोड़ दी जाती है।

कृष्ण कुंज में आम, कटहल, जामुन, नीम, आंवला, बादाम, कदम, सीताफल, अमरूद, मौलश्री, बहेरा, बरगद, पीपल, बेल, गंगा इमली, मुनगा, शहतूत एवं चार सहित करीब 250 फलदार और छायादार पौधे लगाए गए थे। उद्देश्य था नगर को हरियाली की सौगात देना और लोगों को प्रकृति से जोड़ना। शुरुआती दिनों में सब कुछ ठीक-ठाक चला। पौधों को पानी मिला, सुरक्षा मिली और उनकी देखभाल के लिए कर्मचारी भी तैनात रहे। लेकिन जैसे-जैसे समय बीता, पौधों की जड़ों से पहले व्यवस्था की जड़ें कमजोर पड़ गईं।

वन विभाग ने लिखे पत्र, नगर पंचायत अध्यक्ष ने जताई नाराजगी, अधिकारी बोले- बजट नहीं

- कृष्ण कुंज में सूख रही हरियाली, जिम्मेदारी की छांव अब भी तलाश में
- 250 पौधों की हरित परियोजना बनी विभागीय खींचतान का शिकार

बजट गया तो पौधों का 'वनवास' शुरू

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार जब तक शासन से बजट मिलता रहा, तब तक कर्मचारियों के माध्यम से सिंचाई और रखरखाव होता रहा। लेकिन पिछले दो-तीन वर्षों से बजट बंद होने के बाद कर्मचारी हट गए और पौधे अपने हाल पर छोड़ दिए गए। आज हालत यह है कि कई पौधे सूख चुके हैं, कई सूखने की कगार पर हैं। परिसर में उगी झाड़ियां यह बता रही हैं कि यहां इंसानों से ज्यादा प्रकृति खुद अपना प्रबंधन कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पौधों को शायद यह नहीं बताया गया था कि उनका जीवन बजट स्वीकृति पर निर्भर करेगा

वन विभाग बोला- हमने तो कई बार चिट्ठी लिखी: कृष्ण कुंज की दुर्दशा को लेकर जब सवाल उठे तो वन विभाग ने अपनी मजबूरी और पत्राचार की फाइलें सामने रख दीं। वनपाल मनोज वर्मा ने बताया कि कृष्ण कुंज के निर्माण के बाद इसे नगर पंचायत को हैंडओवर करने के लिए विभाग द्वारा कई बार पत्र लिखा गया, शेष पेज 10 पर

प्री-डीएलएड में 77% अभ्यर्थी शामिल 15 परीक्षा केंद्रों में संपन्न हुई परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम), रायपुर द्वारा आयोजित प्री-डीएलएड प्रवेश परीक्षा गुरुवार को जिले के सभी 15 परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा को लेकर प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थीं। व्यापम के सख्त दिशा-निर्देशों और सुरक्षा व्यवस्था के चलते परीक्षा केंद्रों में अनुशासन का माहौल देखने को मिला। जिले में कुल 3,999 पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी, जिनमें से 3,090 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया, जबकि 909 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

- 909 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

इस प्रकार जिले में कुल 77.2 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित हुई। परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों में काफी उत्साह दिखाई दिया। अधिकांश परीक्षार्थी सुबह 7 बजे से ही अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने लगे थे। व्यापम के निर्देशानुसार परीक्षा प्रारंभ होने से दो घंटे पहले प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। अधिकांश केंद्रों में सुबह 9:30 बजे तक सभी अभ्यर्थी प्रवेश कर चुके थे। शेष पेज 10 पर

केंद्रवार उपस्थिति भी रही संतोषजनक

जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों में अभ्यर्थियों की उपस्थिति संतोषजनक रही। सेजेस हिंदी माध्यम विद्यालय बेमेतरा में सर्वाधिक 306 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल में 283, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 278 तथा पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय बहेरा-कुसमी में 271 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। अन्य सभी केंद्रों में भी परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा के सफल आयोजन से जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग एवं परीक्षा केंद्रों के अधिकारियों ने राहत की सांस ली। वहीं, अब अभ्यर्थियों की निगाहें परीक्षा परिणाम पर टिकी हुई हैं।

जिला समन्वयक ने किया केंद्रों का निरीक्षण: परीक्षा के दौरान जिला समन्वयक एवं शासकीय पं. जवाहरलाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेमेतरा के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.आर. साहू ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जेवरा, जेवरी, लोलेसरा और कठिया रांका स्थित केंद्रों का भ्रमण किया तथा परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। डॉ. साहू ने बताया कि जिले के सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। व्यापम द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सभी केंद्रों में प्रभावी ढंग से पालन कराया गया, जिसके कारण परीक्षा प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सकी।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार 55 हजार के सोने के आभूषण बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

थाना परपोड़ी पुलिस ने चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 55 हजार रुपये मूल्य के चोरी गए सोने के आभूषण बरामद किए हैं। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भटगांव निवासी दिनेश पटेल (54 वर्ष) ने थाना परपोड़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 23 जनवरी 2026 की दोपहर 12 बजे से 24 जनवरी 2026 की सुबह 9 बजे के बीच अज्ञात चोर उनके घर में घुस गया। चोर ने कमरे में रखी आलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे 40 हजार रुपये नकद, एक पुरानी सोने की चेन तथा सोने के 9 पत्ती आभूषण चोरी कर लिए। प्रार्थी की शिकायत पर थाना परपोड़ी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(4) एवं 305(ए) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक शेष पेज 10 पर

- परपोड़ी पुलिस की कार्रवाई, चोरी गए 9 पत्ती सोने के आभूषण की हुई बरामदगी

किसान कांग्रेस साजा का प्रथम सम्मेलन संपन्न, कन्हैया साहू ने संभाला अध्यक्ष पद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| साजा

कांग्रेस भवन साजा में किसान कांग्रेस कमेटी साजा का प्रथम सम्मेलन, नवनियुक्त पदाधिकारियों का पदभार ग्रहण समारोह एवं आवश्यक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता रविन्द्र चौबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में किसान कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष कन्हैया साहू सहित पदाधिकारियों ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर रविन्द्र चौबे ने कहा कि किसान कांग्रेस किसानों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने संगठन को गांव-गांव तक मजबूत बनाने का आह्वान किया। बैठक में संगठन विस्तार, किसान हितों से जुड़े मुद्दों तथा आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। नवनियुक्त अध्यक्ष कन्हैया साहू ने संगठन द्वारा व्यक्त विश्वास के लिए आभार जताते हुए किसानों की आवाज को मजबूती से उठाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ईश्वर वर्मा, पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश वर्मा, मनोज जायसवाल, किलुष यदु, संतोष तिवारी, बिहारी साहू, अंजोर यदु, सुशील यदु, नंदकुमार साहू, रमेश बघेल, दिनेश साहू, धनीराम पटेल, पवन निषाद, संजय सिन्हा एवं झग्गर देवांगन उपस्थित रहे। इसके अलावा महामंत्री संग्राम सिंह राजपूत शेष पेज 10 पर

नालसा की विभिन्न योजनाओं की दी जानकारी, ग्रामीणों को बताया गया कानूनी सहायता का महत्व

बाल यातना एवं मानव तस्करी के खिलाफ विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

बाल यातना एवं अवैध मानव तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के तत्वावधान में ग्राम ओटेबंद में एक दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विधिक अधिकारों तथा निःशुल्क कानूनी सहायता संबंधी प्रावधानों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में सहायक प्रतिरक्षा अधिवक्ता देवेंद्र साहू ने नालसा की मानव तस्करी एवं व्यावसायिक यौन शोषण के पीड़ितों हेतु संचालित योजना-2015 की जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना मानव तस्करी, जबरन वेश्यावृत्ति, यौन शोषण एवं देह व्यापार के शिकार महिलाओं, बच्चों तथा अन्य पीड़ित व्यक्तियों को विधिक संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से लागू की गई है। इसके तहत पीड़ितों को निःशुल्क कानूनी सहायता, सुरक्षा, पुनर्वास तथा न्यायालयीन कार्यवाही में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाता है।

प्रतिरक्षा अधिवक्ता अमन दुबे ने कहा कि मानव तस्करी एवं यौन शोषण के पीड़ितों को कानूनी सहायता के साथ मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक पुनर्वास की सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं, जिससे वे सम्मानजनक जीवन की मुख्यधारा में पुनः शामिल हो सकें। इसी क्रम में प्रतिरक्षा अधिवक्ता आयुष शुक्ला ने नालसा की एसिड अटैक पीड़ितों को विधिक सेवाएं योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना के माध्यम से एसिड हमले के पीड़ितों को निःशुल्क अधिवक्ता, मुआवजा प्राप्त करने में सहायता, उपचार एवं पुनर्वास संबंधी सुविधाएं तथा दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई में सहयोग प्रदान किया जाता है। प्रतिरक्षाधिवक्ता पी. राजेश्वरी ने नालसा की बच्चों के लिए बाल-मित्र कानूनी सेवाएं योजना-2024 पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस योजना का उद्देश्य बच्चों को कानूनी प्रक्रिया के दौरान सुरक्षित, सहज एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके अंतर्गत बाल पीड़ितों, बाल अपराधियों, अनाथ एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को विशेष सहायता प्रदान की जाती है तथा उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाती है। शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

मेगा मेडिकल कैंप में ग्रामीण मरीज हुए लाभान्वित

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस हॉस्पिटल में मेगा मेडिकल कैंप हुआ। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की बहु-विषयक टीम द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। लाभार्थियों को हृदय रोग, मेडिसिन, अस्थि रोग, बाल रोग, प्रसूति एवं स्त्री रोग, नेत्र रोग, कान-नाक-गला (ईएनटी), त्वचा रोग, दंत चिकित्सा, सामान्य शल्य चिकित्सा तथा दर्द प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों में विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया गया। सेक्टर 9 हास्पिटल के डाक्टरों की टीम ने सेवाएं दीं।

जामुल को मिलेगा सियान सदन

भिलाई। नगर पालिका परिषद जामुल को सियान सदन का सौगात मिलने वाला है। निमर्णाधीन सियान सदन का निरीक्षण करते हुए नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि जामुल में प्रत्येक वर्ग के लिए आवश्यकतानुसार अध्यक्ष निधी से विकास कार्य जारी है। वार्ड 18 के सुरडुंग मोड़ पर नगर के वरिष्ठजनों , बुजुर्गों के लिए यह सियान सदन बनाया जा रहा है। किसी भी नगर का पहचान सिर्फ बुनियादी सुविधा तक में नहीं होता। उसके लिए आम जनों के मार्गदर्शन एवं सुझाव भी महत्वपूर्ण होता है। भौतिक समय में एक उम्र के बाद हर कोई सुबह या शाम को खुले रूप में सैर करने निकलते हैं। कहीं बीच में बैठकर आपसी चर्चाएं भी होती है। बड़े बुजुर्गों को टहलने के बाद आराम की आवश्यकता होती है। इस कारण सियान सदन आवश्यक हो गया था।

एनएचएम कर्मचारियों का प्रदेश स्तरीय महासम्मेलन 13 को

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एनएचएम कर्मचारी संघ द्वारा 13 जून को रायपुर स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में प्रदेश स्तरीय महासम्मेलन का भव्य आयोजन किया जा रहा है। महासम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित विभिन्न कैबिनेट मंत्रियों एवं जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। संघ के पदाधिकारियों के अनुसार इस महासम्मेलन में प्रदेश के उपस्वास्थ्य केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, मंत्रालय तथा अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत 18 हजार से अधिक एनएचएम कर्मचारी एवं अधिकारी अपने परिवार सहित शामिल होंगे। प्रदेशभर से बड़ी संख्या में कर्मचारियों की सहभागिता को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। संघ का कहना है कि यह महासम्मेलन एनएचएम कर्मचारियों की एकजुटता, समर्पण एवं स्वास्थ्य सेवाओं में उनके योगदान को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

आवास के बिजली खंभे में स्पार्किंग जांच व सुधार के लिए गई टीम बैरंग लौटी लौटी

सेक्टर-10 में प्रवर्तन व बिजली विभाग के कर्मियों और आवंटी दंपति के बीच हुआ विवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

सेक्टर 10 में आज बुधवार को एक बीएसपी क्वार्टर परिसर में बिजली पोल में स्पार्किंग और सुधार कार्य के लिए गए बीएसपी के बिजली विभाग व प्रवर्तन विभाग के कर्मियों और आवास के रहवासी दंपत्ति तथा उनके समर्थन में आए लोगों के बीच जमकर विवाद हुआ। बहस के दौरान नौबत हाथापाई की आ गई। इसके चलते बिजली रिपेयर के लिए गई टीम को बैरंग लौटना पड़ा। बीएसपी प्रबंधन ने शिकायत पर बिजली पोल की स्पार्किंग के लिए क्वार्टर में जाना बताया है वहीं रहवासियों ने रिटेंशन क्वार्टर की बिजली काटने के लिए आना बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार बुधवार को बीएसपी के नगर सेवाएं विभाग के प्रवर्तन अनुभाग की टीम द्वारा सेक्टर 10 का नियमित निरीक्षण (सर्विलांस) किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान सड़क 2 के एक बिजली पोल से स्पार्किंग होती हुई दिखाई दी। इसकी सूचना तत्काल बीएसपी के नगर विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के उप महाप्रबंधक रवि फुले, सहायक प्रबंधक बीपी साहू व प्रवर्तन अनुभाग के सहायक महाप्रबंधक रेमी थामस को टेलीफोन पर दी गई। सूचना पर विद्युत व प्रवर्तन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। बिजली विभाग के टेक्निशियन द्वारा निरीक्षण के दौरान स्पार्किंग रोकने के लिए बिजली आपूर्ति बंद कर पोल से लिपटी हुई झाड़ियों को हटाने का प्रयास किया गया। इस दौरान ब्लाक नं.2 सड़क 2 सेक्टर 10 की बिजली आपूर्ति बाधिक हो गई। इसकी जानकारी मिलने पर ब्लाक 2 कि 2 महिला निवासी मौके पर पहुंचीं, जिन्हें कर्मियों ने स्पार्किंग के कारण बिजली आपूर्ति बंद हो जाने की जानकारी दी गई। कार्यवाही के दौरान बिजली की जांच के लिए विभागीय कर्मियों ने क्वार्टर नं. 1, ए, सड़क 2 सेक्टर 10 के गेट के भीतर जाकर स्थिति का निरीक्षण करने का प्रयास किया। इसी दौरान उक्त आवास में निवासरत एक महिला ने खुद को इस आवास का आवंटी बताते हुए कर्मचारियों से परिसर में प्रवेश का कारण पूछने लगीं। कर्मियों द्वारा उन्हें बताया गया कि बिजली पोल में स्पार्किंग होने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित होने की जांच की जांच कर रहे हैं। इस पर महिला नाराज हो गई और अपने पति को बुला लिया। इसके बाद दोनों ने विद्युत व प्रवर्तन विभाग के कर्मियों से तीखी बहस शुरु कर दी। इस दौरान मोबाइल पर 10,15 अन्य लोगों को भी बुलवा लिया, जिन्होंने भी कर्मचारियों के साथ विवाद बहस करना करना प्रारंभ कर दिया। महालौ तनावपूर्ण होता देख सुधार कार्य के लिए गए बिजली व प्रवर्तन टीम को बैरंग वापस लौटना पड़ा।

निरीक्षण के दौरान दो पक्षों में हुआ विवाद

आवंटी की रिटेंशन अवधि हो चुकी खत्म - बीएसपी प्रबंधन

जिस आवास में बिजली पोल के स्पार्किंग की जांच को लेकर विवाद हुआ,उस बीएसपी क्वार्टर-1-ए, सड़क 2 को वर्ष 2012 में बीएसपी से रिटायर होने के बाद रिटेंशन पर आवंटित किया गया था। बीएसपी प्रबंधन के मुताबिक इस आवास की रिटेंशन अवधि 2014 में समाप्त हो चुकी है। इस आवास में निवासरत सेक्टर 9 के रिटायर चिकित्सक डां. शशि कुमार के विरुद्ध संपदा न्यायालय द्वारा 25 जुलाई 2016 को बेदखली के लिए डिक्री भी पारित की जा चुकी है। इस कारण ही डां. शशि कुमार व उनकी पत्नी को यह भ्रम हुआ कि बीएसपी की टीम उनके आवास की बिजली काटने आई है। प्रबंधन के अनुसार कुछ व्यक्तियों द्वारा रिटेंशन पर आवास धारण किए हुए पूर्व कर्मियों को एकत्र कर उन्हें उनके निवासरत आवासों को लीज पर दिलाने का आश्वासन देते हुए एक संगठन के माध्यम से संगठित किया जा रहा है। ऐसे लोग बीएसपी प्रबंधन द्वारा की जाने वाली विभिन्न कार्यवाहियों के दौरान लोगों के एकत्र कर प्रबंधन के कार्यों में व्यवधान उत्पन्न कर अपनी स्वार्थों को पूरा कर रहे हैं। बीएसपी ने लोगों से इनसे सजग रहने की अपील की है।

भीषण गर्मी में सेक्टर 6 व 7 में 15 घंटे रहा ब्लैकआउट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

गर्मी बढ़ने के साथ ही टाउनशिप में बिजली गुल होने का सिलसिला कम होने का नाम नहीं ले रहा है। सेक्टर 6 और सेक्टर 7 में दो दिन तक ब्लैकआउट होने से लोग भारी उमस और मच्छरों के बीच रजजगा करते रहे। रात 10 बजे गुल हुई बिजली आज बुधवार को दिन मे डेढ़ बजे आई। इस दौरान हजारों रहवासी भीषण गर्मी से परेशान होते रहे और ड्यूटी सहित कई काम प्रभावित हुए।

टाउनशिप में नौतपा के दौरान भी बिजली गुल होने की घटनाएं बढ़ रही हैं। लोड बढ़ने, बिजली का नेट वर्क पुराना होने और विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में मेन पावर की कमी के चलते किसी न किसी सेक्टर में आए दिन घंटों बिजली गुल है। सेक्टर 6 और सेक्टर 7 में मंगलवार रात 10 बजे गई बिजली बुधवार दिन में डेढ बजे आई। दोनों सेक्टरों के आधे हिस्से में पूरी रात और लगातार 15 घंटे बिजली गुल होने से लोगों को चौतरफा परेशानी का सामना करना पड़ा। लोड बढ़ने से सेक्टर 7 में केबल व ट्रांसफार्मर ब्रस्ट होने के चलते दोनों सेक्टर अंधेर में डूबे रहे। आज विभाग द्वारा नया ट्रांसफार्मर लगाने के बाद बिजली आई। इस दौरान रातभर लोगों भारी उमस और मच्छरों के कारण सो नहीं सके। फर्स्ट शिफ्ट ड्यूटी जाने वाले कर्मचारियों सहित घरों में महिलाओं, बच्चों का भारी गर्मी से बेचैनी से बुरा हाल रहा। सेक्टर 6 व 7 के रहवासियों ने बताया कि पूरी रात घर के सामने क्रास स्ट्रीट व मैदान में टहलते हुए गुजरी। आए दिन दो तीन घंटे के लिए बिजली गुल हो रही है।

■ बिजली गुल होने से भारी उमस और मच्छरों के बीच रहवासियों का रतजगा

सुबह नलों में नहीं आया पानी

सेक्टर 6 और 7 में पंद्रह घंटे तक बिजली गुल होने से बुधवार को सुबह नलों में जलापूर्ति भी ठप रही। इसके चलते खाने पीने और निस्तारी पानी के लिए लोगों को भटकना पड़ा। वाटर एटीएम और बोरिंग व मंदिरों व भवनों आदि में लोग बर्तन लेकर पानी के लिए लाइन में इंतजार करते रहे। रहवासियों ने बताया कि बाहर से पानी खरीदकर गुजारा करना पड़ा। पानी नहीं होने से खाना पकाने से लेकर नहाने आदि में परेशानी हुई।

एलडीसीपी के किल्न-3 का सफल पुनः प्रचालन

भिलाई। बीएसपी के लाइम एवं डोलो कैल्सिनेशन प्लांट (एलडीसीपी) के किल्न-3 का कैपिटल रिपेयर कार्य पूर्ण होने के बाद पुनःप्रचालन शुरु हो गया है। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने किल्न सहित सीजीएम तुषार कांत, बिजय कुमार बेहेरा, सुशांत कुमार घोष, प्रोसेनजीत दास, इन्द्रजीत सेनगुप्ता, पी.पी.वी.एस. मूर्ति तथा त्रिभुवन बैठा आदि अधिकारी उपस्थित रहे। जीएम वी. के. ओगले व प्रबंधक विनय कुमार पवार द्वारा कैपिटल रिपेयर कार्य पर एक तकनीकी प्रस्तुति दी । कैपिटल रिपेयर कार्य को सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जीरो हार्म' के लक्ष्य के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया गया। मरम्मत कार्य के दौरान रिफ्रैक्टरी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 1 हजार टन रिफ्रैक्टरी ईंटों के निष्कासन एवं पुनःस्थापन के कठिन कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का पूर्ण किया गया। किल्न में पहली बार यंत्रीकृत (मेकनाइज्ड) पद्धति से डीब्रिकिंग कार्य किया गया, जिससे कार्य की दक्षता, सुरक्षा एवं निष्पादन क्षमता में वृद्धि हुई।

सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ बनाएं

राकेश कुमार ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संयंत्र के प्रति स्वामित्व भाव विकसित करने तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया।वरिष्ठ अधिकारियों ने इस उपलब्धि को उत्कृष्ट टीमवर्क, तकनीकी दक्षता, प्रभावी परियोजना प्रबंधन तथा मजबूत सुरक्षा संस्कृति का परिणाम बताया। किल्न-3 के सफल पुनःप्रचालन के साथ लाइम एवं डोलो कैल्सिनेशन प्लांट की परिचालन क्षमता, विश्वसनीयता एवं उत्पादकता में वृद्धि होने की अपेक्षा व्यक्त की गई।

एनसीसी कैडेट्स ने निकाली जागरुकता रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर भारती विश्वविद्यालय दुर्ग की एनसीसी इकाई द्वारा तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जन-जागरूकता फैलाने रैली का आयोजन किया गया।

रैली में एनसीसी कैडेट्स ने विश्वविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को तंबाकू सेवन से दूर रहने के लिए प्रेरित किया तथा हाथों में तख्तियां व बैनर लेकर संदेशों के माध्यम से तंबाकू के दुष्परिणामों को जनसामान्य तक पहुंचाया। रैली के दौरान तंबाकू छोड़ो, जीवन जोड़ों, स्वस्थ भारत, तंबाकू मुक्त भारत का उद्घोष किया गया। यह आयोन एनसीसी अधिकारी डॉ. आस्था चतुर्वेदी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीएन तिवारी व कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र कुमार स्वर्णकार के मार्गदर्शन मे हुआ।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि तंबाकू का सेवन कैंसर हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों सहित अनेक गंभीर स्वास्थ्यगत समस्याओं का प्रमुख कारक है। युवाओं को इसके दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा उन्हें नशामुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना समय की आवश्यकता है।अंत में तंबाकू मुक्त वातावरण के निर्माण तथा समाज में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

■ भारती विश्वविद्यालय का आयोजन

बीएसपी में समन्वय 10.2 एमटीपीए विस्तार परियोजना पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र की उत्पादन क्षमता को वर्तमान 6.8 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़ाकर 10.2 एमटीपीए करने की प्रस्तावित विस्तार परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए परियोजना विभाग द्वारा भिलाई निवास में दो दिवसीय विक्रेता सहयोग सम्मेलन (वेंडर मीट) समन्वय शुरु किया गया। भविष्य के विस्तार के लिए सहभागिता का सुदृढ़ निर्माण विषय पर आयोजित सम्मेलन प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, ईपीसी एजेंसियों, सलाहकारों, उपकरण निर्माताओं, सेवा भागीदारों तथा परियोजना हितधारकों के बीच समन्वित को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया । उद्घाटन निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने किया। कार्यपालक निदेशक एके चक्रवर्ती, प्रवीण निगम, पवन कुमार, पीके सरकार, अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी, आरबी गहरवार आदि अधिकारी उपस्थित थे। दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर की 100 से अधिक विक्रेता कंपनियों के 200 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। श्री महापात्र ने कहा कि सरकार ने वर्ष 2030-31 तक देश की इस्पात उत्पादन क्षमता को 300 मिलियन टन तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सेल की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए बीएसपी की क्षमता को 6.8 एमटीपीए से बढ़ाकर 10.2 एमटीपीए करना है। पीके सरकार ने कहा कि बीएसपी की प्रस्तावित क्षमता वृद्धि केवल इंजीनियरिंग उत्कृष्टता से ही संभव नहीं होगी, बल्कि इसके लिए सभी हितधारकों के मध्य निर्बाध समन्वय भी आवश्यक है। उन्होंने विक्रेताओं और सहयोगी संस्थाओं से परियोजना में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन उप डीजीएम अभिषेक श्रीवास्तव व एजीएम जया तिवारी ने किया।

■ वेंडर मीट सम्मेलन शुरु

बीएसपी में फिर दस अफसर इधर-उधर हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में अधिकारियों के तबादलों का सिलसिला जारी है। बुधवार को फिर दस अफसरों का अंतरवभिगायी स्थानांतरण किया गया। प्रबंधन द्वारा प्रबंधकीय व कामकाज में कसावट लाने के लिए तबादला किया गया है। बीएसपी प्रबंधन द्वारा जारी आदेश में माइंस व फायनेंस विभाग में अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इनमें डीजीएम(एफएंडए) को डीजीएम राजहरा भेजा गया है। एजीएम (एफएंडए माइंस) अभिषेक कोचर को एजीएम (एफएंडए) रिपोर्टिंग आधिकारी सीजीएम राजीव महेंदू व स्वप्निल श्रीवास्तव सीनियर मैनेजर एफएंडए राजहरा को सीनियर मैनेजर स्टोर बिल्स स्थानांतरित किया गया है। सीनियर मैनेजर ए राजेश (फायनेंस) को सीनियर मैनेजर माइंस व कैश तथा डिप्टी मैनेजर (स्टोर बिल) आयुषी पुरोहित को प्रोजेक्ट व फायनेंस में स्थानांतरिक किया गया है। वहीं राजहरा के एजीएम माइंस शंकर आचुगतला को हेड क्वार्टर भिलाई, सीनियर मैनेजर कपिल माइंस दल्ली को सीनियर मैनेजर माइंस दिल्ली माइंस व सीनियर मैनेजर सुशील कुमार को माइंस, सीनियर मैनेजर म सुमित वर्मा माइंस सीनियर मैनेजर महामाया माइंस, रत्नेश कुमार माइंस दल्ली को राजहार मैकेनिकल माइंस स्थानांतरित किया गया है।

परिवार और समाज पर नशा का दुष्प्रभाव मिटाने लिया संकल्प

दुर्ग। शासकीय पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग द्वारा तम्बाकू निषेध दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी और छात्राओं ने शपथ ग्रहण करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के नशा से मुक्ति के लिए हम सभी लोगों को जागरूक करेंगे एवं स्वयं नशा से दूर रहेंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ सुषमा यादव ने सम्बोधित करते हुए कहा कि धुम्रपान, तम्बाकू, शराब आदि दुर्व्यसन मनुष्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। नशा का दुष्प्रभाव परिवार एवं समाज पर पड़ता है। नशामुक्त समाज के निर्माण में हम सभी की सहभागिता होनी चाहिए। प्रत्येक नागरिक को जागरूक करना हम सबका कर्तव्य है। डॉ मीनाक्षी अग्रवाल, प्राध्यापक, गृहविज्ञान ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए जन जागरूकता में आप सभी का महत्वपूर्ण योगदान होना चाहिए। शासन के द्वारा भी नशामुक्ति संबंधी अनेक जागरूकता अभियान जनहित में प्रसारित कर चलाए जा रहे हैं। नशामुक्त भारत समाज को एक नई दिशा की ओर अग्रसर करती है। जिससे कि आने वाली भावी पीढ़ी को नई पहल के प्रेरित कर सकती है। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ यशेश्वरी ध्रुव ने किया और आभार डॉ लता मेश्राम ने

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन दुर्ग का जागरूकता अभियान

दुर्ग। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर आईएमए दुर्ग के चिकित्सक सदस्यों ने हाउसिंग बोर्ड कॉम्प्लेक्स दुर्ग में जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस दौरान उपस्थित जनसमुदाय को तंबाकू सेवन और धूम्रपान से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए तंबाकू मुक्त स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में आईएमए दुर्ग के अध्यक्ष डॉ. रजनीश कांत मल्होत्रा, पूर्व छग आईएमए अध्यक्ष डॉ. अजय गोवर्धन, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. वीएस बघेल, डॉ. एडी उरगांवकर, डॉ. एचआर वार्ष्णेय, डॉ. राघवेंद्र वर्मा, डॉ. एसके फटिंग, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. आरके साहू, डॉ. दिलीप सोनी, डॉ. शोभा फटिंग, डॉ. रवि शुक्ला, डॉ. देवेंद्र रत्नानी, डॉ. मधु श्रीवास्तव, फिजियोथैरेपिस्ट रश्मि बैलचंद उपस्थित थे।

पेज 9 के शेष

गांव-गांव में पर्यावरणीय ...

एवं अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील की। ग्रामीणों ने हरित एवं स्वच्छ गांव बनाने का सामूहिक संकल्प भी लेंगे। धरती हरी-भरी रहेगी, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा। प्रकृति की रक्षा ही मानव जीवन की असली सुरक्षा है। विशेष ग्राम सभा के दौरान ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की अनुवादित प्रति का वाचन कर ग्रामीणों को नियमों एवं उनके महत्व से अवगत कराया जाएगा। ग्राम सभा में स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा कर आवश्यक संकल्प भी पारित किए जाएंगे।

बजट गया तो पौधों ...

लेकिन नगर पंचायत की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। यानी पौधे पानी का इंतजार करते रहे और विभाग जवाब का। डिप्टी रेंजर बोले- बजट नहीं, कर्मचारी कहां से लाएं मामले में डिप्टी रेंजर आई.के. कसारे ने भी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि वर्तमान में बजट के अभाव में कर्मचारियों को रखना संभव नहीं है। जल्द ही आवश्यक व्यवस्था बनाई जाएगी। हालांकि जल्द शब्द सरकारी शब्दकोश का सबसे लचीला शब्द माना जाता है, इसलिए पौधे भी शायद अभी इंतजार की मुद्रा में हैं।

अध्यक्ष पहुंचे तो खुली हकीकतः कृष्ण कुंज की बदहाल स्थिति की जानकारी मिलने पर नगर पंचायत अध्यक्ष सिद्धांत चौहान स्वयं मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। सूखते पौधों, अव्यवस्था और रखरखाव की कमी को देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। अध्यक्ष ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण इस परियोजना को उपेक्षित नहीं छोड़ा जा सकता। यदि परियोजना तैयार होने के बाद उसके रखरखाव की जिम्मेदारी तय नहीं थी, तो फिर इतनी बड़ी योजना शुरू ही क्यों की गई थी।

हरियाली के नाम पर उत्सव, संरक्षण के नाम पर मौन किसान नेता रोशनधर दीवान का कहना है कि हर साल पौधरोपण अभियान के दौरान पौधों से ज्यादा फोटो लगाए जाते हैं। पौधे लगाने के समय मंच सजते हैं, भाषण होते हैं और पर्यावरण बचाने के संकल्प लिए जाते हैं। लेकिन कुछ महीनों बाद वही पौधे पानी, सुरक्षा और देखभाल के लिए तरसने लगते हैं। कृष्ण कुंज की वर्तमान स्थिति भी कुछ ऐसी ही कहानी कह रही है। यहां लगे सूचना बोर्ड पर हरियाली का सपना अब भी चमक रहा है, लेकिन जमीन पर उस सपने की हरियाली फीकी पड़ चुकी है।

हरियाली बचाने की जिम्मेदारी सभी की?ः कृष्ण कुंज में पौधों की हालत देखकर ऐसा लगता है कि हरियाली बचाने की जिम्मेदारी सभी की है, इसलिए शायद किसी की भी नहीं है। फाइलें एक विभाग से दूसरे विभाग तक पहुंच गईं, लेकिन पानी की एक बाल्टी पौधों तक नहीं पहुंच सकी। अब देखना यह है कि पहले बजट आता है, जवाब आता है या फिर बारिश ही इस सरकारी हरियाली को जीवनदान देती है।

पौधे लगाए ही नहीं...

ग्रामीण को मिल रहा है। ओमप्रकाश साहू कहते हैं, कि उन्होंने जीवनभर पेड़ों की सेवा की, लेकिन कभी किसी सम्मान या प्रचार की इच्छा नहीं रखी। फिर भी समाज और शासन को ऐसे लोगों का सम्मान करना चाहिए। रामसेवक साहू का कहना है, कि काशीराम जी की मेहनत से गांव में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है। उनकी कहानी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। वहीं रामकृष्ण साहू कहते हैं कि यदि पर्यावरण संरक्षण के लिए किसी आदर्श व्यक्ति का नाम लिया जाए तो काशीराम ध्रुव उसका सशक्त उदाहरण हैं।

76 की उम्र में भी जारी है हरियाली की पहरेदारीः उम्र के इस पड़ाव में भी काशीराम ध्रुव सुबह होते ही अपने लगाए वृक्षों का हाल जानने निकल पड़ते हैं। कहीं घेराबंदी ठीक करनी हो, कहीं पानी देना हो या नया पौधा लगाना हो, वे आज भी उसी उत्साह से जुटे रहते हैं जैसे दशकों पहले रहते थे।

किसान कांग्रेस साजा ...

सेवाराम साहू, राजाराम ठाकुर, रामायण निषाद, खेलन जोशी, कुलेश्वर चौहान, अमितेश साहू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में किसानों के हितों की रक्षा एवं संगठन को मजबूत बनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया।

चोरी के मामले में ...

सत्य प्रकाश उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम को मामले की जांच में लगाया गया। विवेचना के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम भटगांव निवासी करण साहू नशे की हालत में चोरी किए गए सोने के 9 पत्ती आभूषण को गांव के श्मशान घाट के पास छिपाकर रखने की बात बता रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने संदेही करण साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि चोरी के बाद भागते समय दीवार फांदने के दौरान उसकी जेब में रखा सोने का चैन कहीं गिर गया था। वहीं चोरी की गई 40 हजार रुपये की नकदी वह खाने-पीने और अन्य खर्चों में खर्च कर चुका है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गए सोने के 9 पत्ती आभूषण, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 55 हजार रुपये है, बरामद कर जब्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी करण साहू (21 वर्ष), पिता त्रिभुवन साहू, निवासी भटगांव, थाना परपोड़ी, जिला बेमेतरा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में प्रस्तुत किया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सत्य प्रकाश उपाध्याय, प्रधान आरक्षक पुरुषोत्तम कुलार्य, प्रधान आरक्षक येमन बघेल, आरक्षक शिव यादव, रमेश चंद्रवंशी सहित थाना परपोड़ी के समस्त पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्री-डीएलएड परीक्षा....

निर्धारित समय के बाद पहुंचे कुछ अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिल सका, जिससे समय की पाबंदी को लेकर व्यापम की सख्ती स्पष्ट रूप से नजर आई।

सुरक्षा व्यवस्था रही बेहद सख्त परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई थी। परीक्षा केंद्रों के मुख्य द्वार पर वीक्षकों द्वारा दस्तावेजों की जांच के बाद पुलिस कर्मियों ने मेटल डिटेक्टर के माध्यम से अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली। पुरुष एवं महिला अभ्यर्थियों के लिए अलग-अलग जांच व्यवस्था की गई थी। परीक्षार्थियों को केवल प्रवेश पत्र और फोटोयुक्त मूल पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड अथवा ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ही प्रवेश दिया गया। परीक्षा केंद्रों में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पर्स, बेल्ट, टोपी तथा अन्य प्रतिबंधित सामग्री ले जाने पर पूर्ण रोक रही। अभ्यर्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले वस्त्र पहनकर आने के निर्देश दिए गए थे, जबकि गहरे रंग के कपड़े पहनने की अनुमति नहीं थी।

सरल और संतुलित रहा प्रश्नपत्रः परीक्षा समाप्त होने के बाद केंद्रों से बाहर निकल रहे अभ्यर्थियों के चेहरों पर संतोष और उत्साह दिखाई दिया। अधिकांश परीक्षार्थियों ने प्रश्नपत्र को सरल और संतुलित बताया। अभ्यर्थियों का कहना था कि प्रश्न पाठ्यक्रम के अनुरूप थे तथा तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए परीक्षा अपेक्षाकृत आसान रही। कई अभ्यर्थियों ने अच्छे परिणाम की उम्मीद भी जताई।

बाल यातना एवं मानव तस्करी ...

वहीं प्रतिरक्षाधिवक्ता गीता दास एवं दुर्गा साहू ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (विधिक क्लीनिक) विनियम-2011 की जानकारी देते हुए बताया कि विधिक क्लीनिकों के माध्यम से ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों तक निःशुल्क कानूनी सहायता पहुंचाई जाती है। इन क्लीनिकों में कानूनी परामर्श, आवेदन लेखन, प्रकरणों की जानकारी तथा नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जाता है। ऐसे क्लीनिक गांवों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, जेलों एवं न्यायालय परिसरों में संचालित किए जाते हैं।

शिविर के दौरान उपस्थित ग्रामीणों एवं श्रमिकों को विभिन्न विधिक योजनाओं और उनके अधिकारों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया तथा विधिक सहायता से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के सचिव के निर्देशानुसार आयोजित इस जागरूकता शिविर का सफल संचालन लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सदस्यों एवं सहायक प्रतिरक्षा अधिवक्ताओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली।

ढाबे में घुसकर मारपीट और ...

निरीक्षक सोनल ग्वाला के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। विवेचना के दौरान घटना में संलिप्त पाए जाने पर पुलिस ने प्रमोद कुमार बंजारे (23), राजकुमार बघेल (27), योगेश बंजारे (31) एवं रूपेन्द्र जांगड़े (22) को गिरफ्तार कर 3 जून को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

पुलिस ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं तथा प्रकरण की विवेचना लगातार की जा रही है। पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला, सहायक उप निरीक्षक रेशम लाल भास्कर, आरक्षक पुरुषोत्तम कुंभकार, संदीप साहू, शिव सेन, सौरभ सिंह सहित सिटी कोतवाली बेमेतरा के पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खबर संक्षेप

जिले में कचरा प्रबंधन को लेकर अभियान 5 से

दुर्ग। जिले को देश का सबसे स्वच्छ और आदर्श जिला बनाने के उद्देश्य से एक बड़े महा-अभियान की शुरुआत की गई है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील में पारित कड़े आदेशों और विगत 5 मई 2026 को जारी गाइडलाइंस के परिपालन में जिले के ग्रामीण इलाकों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 को पूरी कड़ाई से लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत अब जिले में खुले में कचरा फेंकने, डंप करने, उसे जलाने या दबाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। नियमों की चौबीसों घंटे सख्त निगरानी करने और पर्यावरणीय मानकों को बनाए रखने के लिए जिला स्तर पर एक विशेष टास्क फोर्स समिति का भी गठन किया गया है, जो कचरा प्रबंधन से जुड़े हर मोर्चे पर पैनी नजर रखेगी।इस कार्यशाला में जनपद पंचायत दुर्ग, धमधा एवं पाटन की समस्त 300 ग्राम पंचायतों के सरपंचों, सचिवों समेत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान व स्वच्छ भारत मिशन के 300 से अधिक मैदानी अधिकारियों और कर्मचारियों बीपीएम, एरिया कोऑर्डिनेटर, पीआरपी, एफएल सीआरपी, कृषि, पशु व पोषण सखियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

खुद बीमार पड़ा बेरला अस्पताल, मरीजों की सुरक्षा और स्वच्छता पर उठे सवाल

बेरला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल व्यवस्था उजागर, फायर सेफ्टी और स्वच्छता पर गंभीर सवाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बेमेतरा

- दीवारों से रिस रहा पानी, परिसर में फैली गंदगी और कबाड़ से बढ़ा संक्रमण का खतरा

जिले के बेरला विकासखंड के सैकड़ों गांवों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रमुख केंद्र बना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेरला इन दिनों स्वयं बदहाल व्यवस्थाओं से जूझ रहा है। मरीजों को बेहतर उपचार और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के बजाय अस्पताल परिसर में स्वच्छता, सुरक्षा और रखरखाव की गंभीर खामियां सामने आ रही हैं। अस्पताल भवन की दीवारों से पानी का रिसाव हो रहा है, कई हिस्से जर्जर हो चुके हैं तथा परिसर में फैली गंदगी अस्पताल प्रबंधन के दावों की पोल खोल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस अस्पताल में मरीजों को संक्रमण और बीमारियों से बचाने की जिम्मेदारी है, वहीं बुनियादी सुविधाओं की कमी और स्वच्छता व्यवस्था की अनदेखी से मरीजों एवं उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल की मौजूदा स्थिति ने स्वास्थ्य विभाग और प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

फायर सेफ्टी व्यवस्था बनी महज औपचारिकताः अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति और भी चिंताजनक बताई जा रही है। भीषण गर्मी और आगामी बरसात के मौसम में आगजनी और शॉर्ट सर्किट जैसी घटनाओं की आशंका के बीच अस्पताल में स्थापित फायर सेफ्टी सिस्टम केवल कागजों तक सीमित नजर आ रहा है। जानकारी के अनुसार 30 बिस्तरों वाले इस अस्पताल में करीब आठ वर्ष पुराने अग्निशामक यंत्र लगे हुए हैं, जिनकी वर्षों से रिफिलिंग नहीं कराई गई है। विशेषज्ञों के अनुसार एक्सपायर्ड अग्नि शामक यंत्र किसी आपातकालीन स्थिति में प्रभावी साबित नहीं होते। ऐसे में यदि अस्पताल में आग लगने जैसी कोई घटना होती है तो मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल स्टाफ की सुरक्षा गंभीर संकट में पड़ सकती है। सरकारी संस्थानों में फायर सेफ्टी के कड़े नियमों के बावजूद इस प्रकार की लापरवाही को बेहद गंभीर माना जा रहा है।

8 साल पुराने अग्निशामक यंत्रों के भरोसे अस्पताल की सुरक्षा चारों ओर गंदगी व जर्जर भवन से मरीजों की बढ़ी चिंता

अस्पताल परिसर में कबाड़ और अव्यवस्था

अस्पताल परिसर में वर्षों पुराना कबाड़ भी जमा होने की बात सामने आई है। इससे न केवल परिसर की स्वच्छता प्रभावित हो रही है, बल्कि दुर्घटना और संक्रमण का खतरा भी बढ़ रहा है। मरीजों और स्थानीय नागरिकों ने अस्पताल में नियमित सफाई, भवन मरम्मत और सुरक्षा उपकरणों के नवीनीकरण की मांग की है। अब लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेरला की व्यवस्थाओं में कितना सुधार आता है और मरीजों को सुरक्षित एवं स्वच्छ स्वास्थ्य सेवाएं कब तक उपलब्ध हो पाती हैं। मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हलचल तेज हो गई है। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) अमृत लाल रोहेडकर ने अस्पताल में सामने आई खामियों पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुरक्षा और स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। सीएमएचओ ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी।

मटिया गांव में स्वच्छ भारत अभियान की खुली पोल सड़कों पर बह रहा गंदा पानी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बेमेतरा/साजा

- दुर्गा चौक बस्ती में नाली निर्माण नहीं होने से बदहाल हालात, ग्रामीणों में बढ़ रहा आक्रोश

जनपद पंचायत साजा अंतर्गत ग्राम पंचायत जेवरा के आश्रित ग्राम मटिया में स्वच्छता व्यवस्था बदहाल होती जा रही है। थानखम्हरिया-बेमेतरा मार्ग पर स्थित इस गांव में दुर्गा चौक बस्ती के समीप सीसी सड़क पर खुलेआम गंदा एवं बदबूदार पानी बह रहा है, जिससे ग्रामीणों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि जिस मार्ग से बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग प्रतिदिन आवागमन करते हैं, वह मार्ग अब बदबूदार नाले का रूप ले चुका है। ग्रामीणों के अनुसार लंबे समय से नाली निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन पंचायत स्तर पर इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई है। परिणाम स्वरूप बस्ती का घरेलू अपशिष्ट जल सीधे सड़क पर बह रहा है। गर्मी के मौसम में दुर्गंध और मच्छरों की बढ़ती संख्या से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शासन द्वारा ग्राम पंचायतों को नाली निर्माण, साफ-सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए 15वें वित्त आयोग सहित विभिन्न मदों से लाखों रुपये की राशि उपलब्ध कराई जाती है। इसके बावजूद गांव में बुनियादी सुविधाओं का अभाव कई सवाल खड़े कर रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि उपलब्ध संसाधनों का उपयोग आवश्यक कार्यों के बजाय अन्य मदों में किया जा रहा है, जबकि गांव की प्रमुख समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं।

मटिया गांव की वर्तमान स्थिति स्वच्छ भारत मिशन और ग्रामीण विकास के दावों की जमीनी हकीकत को उजागर करती दिखाई दे रही है। सड़क पर बहते गंदे पानी के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है और लोगों को असुविधा झेलनी पड़ रही है। वहीं, बरसात का मौसम नजदीक होने से समस्या और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द नाली निर्माण एवं जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो गांव में जनस्वास्थ्य संबंधी संकट उत्पन्न हो सकता है। साथ ही ग्रामीणों में शासन- प्रशासन के प्रति असंतोष भी बढ़ सकता है।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और पंचायत प्रशासन से तत्काल सर्वे कराकर स्थायी नाली निर्माण, नियमित सफाई व्यवस्था तथा जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि गांव को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके।

लोधी समाज के मेधावी विद्यार्थियों का होगा प्रतिभा सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बेमेतरा

- 7 जून में जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर गाइडेंस समारोह
- सहकारिता कमिश्नर महादेव कांवरे (आई ए एस) होंगे शामिल

शिक्षा, प्रतिभा और सामाजिक जागरूकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लोधी क्षत्रिय एम्पलाइज एंड इंटेलेक्चुअल्स एसोसिएशन (लक्ष्य) की जिला इकाई बेमेतरा द्वारा 7 जून 2026, रविवार को समाधान महाविद्यालय, बेमेतरा में चतुर्थ जिला स्तरीय "लक्ष्य प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर गाइडेंस समारोह" का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिले भर से लोधी समाज के छात्र-छात्राएं, अभिभावक, समाज के वरिष्ठजन एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित नागरिक शामिल होंगे। जिला इकाई अध्यक्ष डॉ. अवधेश पटेल ने बताया कि लक्ष्य संगठन पिछले कई वर्षों से शिक्षा एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार एवं व्यक्तित्व विकास के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करना है। कार्यक्रम में वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही जवाहर नवोदय विद्यालय, नीट, जेईई, एनएम एमएसई, प्रयास आवासीय विद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित परीक्षाओं में चयनित प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। समाज के गौरव व्यक्तियों, नव नियुक्त एवं सेवानिवृत्त शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले प्रतिभावान युवाओं का भी सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे स्वागत के साथ होगा। इसके पश्चात कैरियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेश एवं देश के प्रतिष्ठित अधिकारी एवं विशेषज्ञ विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। प्रमुख वक्ताओं में आईएएस अधिकारी एवं सहकारिता आयुक्त रायपुर श्री महादेव कावरे, अपर कलेक्टर कांकेर श्री अरुण वर्मा, उद्योगपति एवं भव्य सृष्टि उद्योग के संस्थापक श्री गणेश वर्मा तथा आईआईटीयन एवं आईसीआईसीआई बैंक मुंबई के चीफ मैनेजर श्री रूपेश वर्मा शामिल हैं। आयोजकों ने समाज के सभी अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं प्रबुद्धजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की है। लक्ष्य संगठन का यह आयोजन शिक्षा, संस्कार और सामाजिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

किसानों ने मक्का फसल की राशि दिलाने लगाई गुहार

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित 164 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में प्राप्त विभिन्न आवेदनों पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से फोन पर जानकारी ली और उक्त आवेदनों पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। दुर्ग व धमधा के किसानों ने मक्का फसल की रकम दिलाने आवेदन दिया।

बारिश में जलकुंभी से बचाव के लिए 24 एमएलडी इंटकवेल में लगाई लोहे की जाली, आधे शहर की पेयजल आपूर्ति प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ दुर्ग

भीषण गर्मी के बीच जब पानी की जरुरत बढ़ गई है, ऐसे समय में बुधवार को शहर में पेयजल आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई। 5 टंकियों में जलभराव नहीं हो सका, जिसकी वजह से करीब 20 हजार घरों तक पानी नहीं पहुंचा। शहर के वार्ड-17, 18, 27, 24, 26 सहित अन्य वार्डों में पेयजल को लेकर लोगों को परेशान होना पड़ा। खास बात यह है कि किस वजह से पानी की सप्लाई नहीं हुई, इसे लेकर पार्षदों को भी जानकारी नहीं दी गई। पार्षद पूरे दिन अधिकारियों को फोन गनगनाते रहे, लेकिन कुछ भी पता नहीं चल पाया। देर शाम जानकारी दी गई कि 24 एमएलडी के इंटकवेल के पास एक बड़ी सी लोहे की जाली लगाने के कारण 11 और 24 एमएलडी फिल्टर प्लांट से सप्लाई वाले पानी की टंकियों में सप्लाई प्रभावित हुई।

आगामी दिनों में 42 एमएलडी के इंटकवेल में लगाने की तैयारी

अधिकारियों ने बताया कि आगामी दिनों में 42 एमएलडी के इंटकवेल में इस प्रकार की जाली लगाई जाएगी। यह निर्णय इसलिए लिया गया है कि पिछले कुछ सालों में यह देखने में आया है कि बारिश के दिनों में जलकुंभी की वजह से साइफन में कचरा फंसता है। इस वजह से नदी से रॉ वॉटर को लिफ्ट कर फिल्टर प्लांट तक पहुंचाने में प्राब्लम होती है। कई बार मोटर भी बंद पड़ जाता है। नीचे उतरकर बाढ़ और अन्य आपदा की स्थिति में लोगों को साइफन को साफ करना पड़ता है। इस परेशानी से बचाव के लिए साइफन के आसपास लोहे की बड़ी रिंगनुमा जाली लगाने का निर्णय लिया गया है।

पुलगांव नाला डायवर्सन पूरी तरह फ्लॉप, नहीं हुआ समस्या का समाधान

बता दें कि 24 एमएलडी फिल्टर प्लांट का इंटकवेल पुलगांव नाले के टेल में बना हुआ है। पूरे साल नाला से निस्तारी और अन्य गंदा पानी इस रास्ते से ही शिवनाथ नदी तक पहुंचता है। नाले के गंदे पानी को ही फिल्टर कर आधे शहर में सप्लाई होती है। इसे लेकर लगातार हो रही आपत्ति के बाद पुलगांव नाला डॉयवर्सन बनाया गया। स्टॉप डैम बनाकर नाले के पानी को रोका गया। ताकि नदी का पानी इंटकवेल तक पहुंचे। वर्तमान में स्टॉप डैम से पानी नहीं रुक रहा। नाला पूरी तरह से जलकुंभी से अटा हुआ है। विशेषज्ञों की मानें तो शिवनाथ नदी के ऊफान में रहने के दौरान उलट से डूबान के हालात बनेंगे।

खुर्सीपार में चेकिंग अभियान, संदिग्ध हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

पुलिस ने अभियान चलाकर देवार पारा में गांजा, शराब, धारदार हथियार जब्त किया है। खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि देवर पारा बस्ती में अवैध गांजा बेचने की सूचना पर पुलिस ने 50 पुलिस जवानों का बल चेकिंग करने पहुंची थी। चेकिंग के दौरान मादक पदार्थ खंडहर भवन, कबाड़ के बोरे, कबाड़ी सामान के बीच में छिपाकर रखा गया था। एक कबाड़ का बोरा, खंडहर भवन, मकान के छत पर चेकिंग की गई। भारी मात्रा में गांजा, गांजा की पुड़िया बनाने वाले प्लास्टिक रैपर, देसी मसाला, गोवा पौआ मिला है। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति को भी पकड़ा है। पुलिस लगातार उनसे पूछताछ कर रही है।

सेमरिया में गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

अवैध रूप से गांजा बेचने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नंदिनी पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ग्राम ओखरा स्थित नारधा सेमरिया तिराहा चौक के पास अवैध रूप से गांजा रखकर बेच रहा था। पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को पकड़ा लिया।

पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम पोपचंद मारकण्डे बताया है। उसके पास से पुलिस ने 2.840 किग्रा. गांजा जब्त किया। जिसकी कीमत 48 हजार रुपए आंकी गई है। कार्रवाई में नंदिनी पुलिस का योगदान रहा है। इस क्षेत्र में पहले भी गांजा तस्करी की शिकायत मिल चुकी है। संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने ली समीक्षा बैठक

बिजली की समस्याओं पर जनप्रतिनिधियों ने अफसरों पर दागे सवाल, की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ दुर्ग

शिक्षामंत्री गजेन्द्र यादव ने बुधवार को दुर्ग पीडब्लूडी सभागार में दुर्ग एवं बेमेतरा जिले के सर्किल विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक लेकर विद्युत व्यवस्था की विस्तृत जानकारी लिए। बैठक में वर्तमान विद्युत आपूर्ति, बिजली कटौती की स्थिति तथा आगामी खरीफ एवं खेती-किसानी सीजन की तैयारियों की समीक्षा की गई।

गजेन्द्र यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भीषण गर्मी के दौरान आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा अनावश्यक बिजली कटौती में कमी लाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए किसानों को पर्याप्त एवं सुचारु विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए आवश्यक रखरखाव कार्य, ट्रांसफार्मर उपलब्धता तथा विद्युत वितरण व्यवस्था को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा शासन की योजनाओं को अमल करने कहा गया।

किसानों को मिले पर्याप्त बिजली, अफसर करे सुनिश्चित

मंत्री ने कहा कि आमजन एवं किसानों को बेहतर विद्युत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश सरकार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है तथा जनप्रतिनिधियों के सुझावों के अनुरूप आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, बेमेतरा जिला पंचायत कल्पना योगेश तिवारी, उपाध्यक्ष पवन शर्मा, जनपद पंचायत के अध्यक्ष, कार्यपालक निदेशक दुर्ग क्षेत्र संजय खंडेलवाल, एसई जे जगन्नाथ, आरके मिश्रा उपस्थित रहे।

बिजली आपूर्ति को लेकर जनप्रतिनिधियों ने गिनाई समस्याएं

बैठक में उपस्थित अधिकारियों से विभिन्न क्षेत्रों की विद्युत व्यवस्था की बिंदुवार जानकारी ली गई। इस दौरान दुर्ग, पाटन, कुम्हारी, अहिवारा, धमधा एवं बेमेतरा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित विद्युत समस्याओं एवं सुझावों को मंत्री श्री यादव के समक्ष रखा। मंत्री श्री यादव ने संबंधित अधिकारियों को सभी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने तथा जनता की शिकायतों के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

असामाजिक गतिविधियों के अड्डे को ढहाया

- खुर्सीपार में जर्जर भवन पर चला निगम का बुलडोजर

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई ने जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 49 स्थित हार्ट बाजार के पास एक पुराने जर्जर भवन को जेसीबी की मदद से ध्वस्त किया। निगम प्रशासन ने यह कार्रवाई क्षेत्र में लंबे समय से संचालित हो रही अवैध एवं असामाजिक गतिविधियों की शिकायत मिलने के बाद की। भवन काफी समय से जर्जर अवस्था में था और वहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता था। स्थानीय लोगों की शिकायत थी कि भवन के भीतर शराबखोरी, गांजा सेवन और जुआ जैसी गतिविधियां संचालित हो रही थीं, जिससे आसपास के रहवासियों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर भी नागरिकों में चिंता बनी हुई थी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम भिलाई के राजस्व विभाग, बेदखली विभाग तथा पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

दिनभर धूप छांव, आज अंधड़-बारिश के आसार

भिलाई। भीषण गर्मी के बीच नौतपा गुजर गया। बुधवार को जिले के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। दिन का अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री रहा, जो समान्य से 1.1 डिग्री कम रहा। इसी प्रकार न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो समान्य से 1.6 डिग्री कम रहा। इस प्रकार जिले का तापमान इन दिनों समान्य से कम है। मौसम विभाग की मानें ने आगामी दिनों में अंधड़ और बारिश के आसाप बन रहे हैं। देश में केरल के रास्ते मानसून की दस्तक होने वाली है। इस वजह से अंधड़ और तेज गरज चमक के साथ बारिश की संभावना बन रही है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पश्चिम ओडिशा और आसपास बने चक्रवातीय परिसंचरण, द्रोणिका और बढ़ी हुई नमी के कारण प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय हुई हैं। इसके चलते मौसम में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है।

खबर संक्षेप

हेरोइन के साथ महिला पकड़ी गई, 5.80 लाख रुपए का सामान जब्त

भिलाई। हेरोइन के साथ पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर खुर्सीपार जोन 3 निवासी रज्जी कौर के पास से नशे का सामान हेरोईन 5.80 ग्राम बरामद किया गया है। जिसकी कीमत 5.80 लाख रुपए आंकी गई है। इसके अलावा नगदी रकम और बेचने की राशि 20 हजार 900 रूपये, तीन मोबाइल जब्त किया है। मुखबिर की सूचना पर आरोपिया रज्जी कौर सिरसागेट यात्री प्रतिक्षालय के पास हेरोईन चिट्टा रखकर बेचने की का प्रयास कर रही थी। महिला को भिलाई तीन पुलिस तुरंत पकड़ने पहुंची। उसके पास से हेरोईन मिला। महिला से पूछताछ करने पर नसे का सामान बेचना स्वीकार किया। महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

टोलाघाट एनीकेट में युवक डूबा

भिलाई। टोलाघाट एनीकेट में डूबने से एक युवक की मौके पर मौत हो गई। पाटन पुलिस ने बताया कि बुधवार को एनीकेट में डूबने की सूचना पर एसडीआरएफ दुर्ग की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन किया। घटना की सूचना कंट्रोल रूम को मिली थी। जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह के निर्देश पर पाटन भेजा गया। एसडीआरएफ के डीप डाइविंग एक्सपर्ट राजकुमार यादव, चंद्रप्रताप जघेल ने करीब 20 फीट गहरे पानी में उतरकर युवक के शव को बाहर निकालकर पुलिस को सौंपा गया। मृतक का शिनाख्त गुड़ियारी रायपुर निवासी शुभम वर्मा के रुप में हुई है। शव मिलने के बाद पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी। मामले को लेकर पुलिस जांच में जुटी हुई है।

राधिका नगर में चाकू लहराते एक गिरफ्तार

भिलाई। सुपेला थाना अंतर्गत राधिका नगर में चाकू लहराते एक युवक को पुलिस ने पकड़ा। आरोपी का नाम शेख बबलू उम्र 35 साल निवासी गौतम नगर सुपेला बताया गया है। पुलिस ने बताया कि घटना 3 जून की है। मुखबिर से सूचना मिली कि शेख बबलू आरके ग्राउंड राधिका नगर में हांथ में चाकू लेकर लहराकर आने जाने वाले लोगो को डरा धमका रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर उसे पकड़ा। आरोपी शेख बबलू के कब्जे से एक लोहे का धारदार चाकू बरामद कर धारदार चाकू को जब्त किया गया। उसके विरुद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया गया।

उप निरीक्षक ने मांगे 50 हजार, निलंबित

भिलाई। एनडीपीएस के एक मामले में आरोपी पक्ष को छोड़ने और लिखापढ़ी के नाम पर कथित रूप से रिश्वत मांगने का ऑडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। घटना भिलाई तीन थाना क्षेत्र का है। आडियों के वायरल होने के बाद एसएसपी विजय अग्रवाल ने गंभीरता से लेते हुए थाने में पदस्थ उप निरीक्षक तुलसीराम साहू को सस्पेंड कर दिया है। आरोप है कि मामले में उप निरीक्षक ने 50 हजार रुपए का डिमांड किया था। महिला का आरोप है कि अफसरों के नाम पर तुलसीराम साहू उससे रकम का डिमांड किया था। जिसमें 20 हजार थाना प्रभारी को देने की बात आडियों में कहा गया है। इसके अलावा खुर्सीपार थाने में पदस्थ उप निरीक्षक देव लाल साहू को भी सस्पेंड कर दिया है। दोनों पुलिस कर्मियों को पुलिस लाइन दुर्ग में अटैच किया गया है। इसकी जांच के लिए छावनी सीएसपी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जांच तीन दिनों के भीतर करने का निर्देश दिया गया है। शुरुआती जांच में वायरल आडियों के आधार पर दोनों अधिकारियों का आचरण संदिग्ध और विभागीय नियमों के विपरीत प्रतीत होने पर सस्पेंड किया गया है। मामले में सामने आई महिला जसबीर ने पुलिस कार्रवाई को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

शिविर

शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : मंत्री दयाल

मंत्री दयाल दास ने जनसमस्या निवारण शिविर में सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बेमेतरा

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम पंचायत खेड़ा स्थित शासकीय हाई स्कूल परिसर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयाल दास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर एसडीएम नवागढ़ दिव्या पोटाई, जनपद उपाध्यक्ष माया हिरा बारले, मंडल अध्यक्ष राकेश राजपुर, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शिविर में ग्रामीणों ने राशन कार्ड, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेयजल, बिजली, नामांतरण, सीमांकन एवं कृषि संबंधी समस्याओं सहित विभिन्न मांगों एवं शिकायतों को प्रशासन के समक्ष रखा। प्राप्त आवेदनों का यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया गया तथा शेष मामलों के त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। कक्षा 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 09 विद्यार्थियों को 10-10 हजार रुपये तथा कक्षा 10वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 21 विद्यार्थियों को 5-5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। मत्स्य विभाग द्वारा हितग्राहियों को मछली पकड़ने के जाल भी वितरित किए गए।

जनता से सीधे संवाद कर आवेदन देने के लिए किया प्रेरित: मंत्री दयाल दास बघेल ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए नागरिकों का जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से अपनी समस्याओं एवं मांगों को लिखित आवेदन के माध्यम से प्रशासन तक पहुंचाने का आग्रह किया।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन का उद्देश्य प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाना है, ताकि आम नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। सुशासन तिहार के माध्यम से समस्याओं का मौके पर सत्यापन एवं त्वरित निराकरण किया जा रहा है तथा पात्र हितग्राहियों को तत्काल योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी आम जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें। अपने उद्बोधन में मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी की जा रही है तथा 140 मीट्रिक टन से अधिक धान का उपार्जन किया जा चुका है। मंत्री श्री बघेल ने बताया कि प्रदेश में अब तक 14 मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में नल-जल योजनाओं को सुदृढ़ बनाकर प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी।

नवागढ़ क्षेत्र को मिली विकास कार्यों की सौगात

मंत्री श्री बघेल ने बताया कि दाढ़ी एवं कूरा में नए कॉलेजों का निर्माण प्रस्तावित है। नवागढ़ क्षेत्र में विभिन्न सड़कों के निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 11 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सीसी रोड एवं मंगल भवन का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि क्षेत्र में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल को स्वीकृति प्रदान की गई है तथा 1 करोड़ 19 लाख 80 हजार रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य भी स्वीकृत किया गया है। साथ ही मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आधारभूत सुविधाओं के विस्तार का कार्य लगातार किया जा रहा है।

मात्र 8 माह में बनकर तैयार हुआ 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र, क्षेत्र को मिली बड़ी सौगात : विधायक दीपेश साहू

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बेमेतरा/बेरला

ग्राम माटरा में नवनिर्मित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण समारोह उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने की। अतिथियों ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं फीता काटकर विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने कहा कि यह केवल एक विद्युत उपकेंद्र का उद्घाटन नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास, किसानों की समृद्धि और ग्रामीण जनजीवन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि लगभग आठ माह पूर्व इस परियोजना का भूमिपूजन किया गया था और आज इतने कम समय में इसका निर्माण पूर्ण कर जनता को समर्पित किया जा रहा है, जो विद्युत विभाग की कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

अपने संबोधन में विधायक साहू ने कहा कि ग्राम माटरा सहित पूरे क्षेत्र के लिए यह ऐतिहासिक दिन है। सामान्यतः इस प्रकार की परियोजनाओं को पूर्ण होने में लंबा समय लग जाता है, लेकिन अधिकारियों, अभियंताओं और कर्मचारियों ने लगातार निगरानी एवं समन्वय के माध्यम से निर्धारित समय में कार्य पूरा किया है। इसके लिए विद्युत विभाग से जुड़े सभी अधिकारी, अभियंता एवं निर्माण एजेंसियां बधाई की पात्र हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास की मजबूत नींव सड़क, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं पर आधारित होती है। नया 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र में बढ़ते विद्युत भार को कम करेगा, वोल्टेज की समस्या का समाधान करेगा तथा किसानों को सिंचाई के लिए गुणवत्तापूर्ण और सुगम विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराएगा। इसके साथ ही घरेलू उपभोक्ताओं, छोटे व्यापारियों और ग्रामीण उद्योगों को भी इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। विधायक साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए सरकार तेजी से कार्य कर रही है। माटरा का यह विद्युत उपकेंद्र उसी सोच और संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में क्षेत्र में जनसुविधाओं के विस्तार, अधोसंरचना विकास तथा किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे, जिससे गांवों तक विकास की रोशनी और अधिक मजबूती के साथ पहुंचेगी।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान एवं "एक पेड़ मां के नाम" अभियान से प्रेरित होकर उपकेंद्र परिसर में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल बेरला अध्यक्ष डोमेन्द्र सिंह राजपूत, पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष डॉ. एन.के. तिवारी, ग्राम पंचायत माटरा के सरपंच देवशरण साहू, सेवा सहकारी समिति मर्यादित माटरा के अध्यक्ष खुमान साहू, थानेश्वर साहू, संजू सिंह राजपूत सहित जनप्रतिनिधि, विद्युत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

गर्मी की तपिश में फीका पड़ा गन्ने के रस का स्वाद

महंगाई और किल्लत से बंद होने लगीं गन्ना दुकानें, स्थानीय स्टॉक समाप्त

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बेमेतरा

नवतपा की भीषण गर्मी के बीच लोगों को राहत पहुंचाने वाला गन्ने का रस इस बार महंगाई और गन्ने की कमी की दोहरी मार झेल रहा है। जिले में स्थानीय गन्ने की फसल लगभग समाप्त हो चुकी है, जिससे बाजार में गन्ने की भारी किल्लत पैदा हो गई है। परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में गन्ने के रस की अधिकांश दुकानें बंद हो चुकी हैं, जबकि शहरों में भी केवल चुनिंदा दुकानदार ही सीमित स्टॉक के सहारे कारोबार चला रहे हैं।

मानसून आगमन से पहले स्थानीय गन्ने की उपलब्धता खत्म होने के बाद अब नासिक, लाल और हाइब्रिड किस्म के गन्ने की आवक हो रही है। हालांकि इन किस्मों की कीमत स्थानीय गन्ने की तुलना में काफी अधिक है और स्वाद भी उपभोक्ताओं को पहले जैसा नहीं मिल पा रहा है। बढ़ती लागत और घटते मुनाफे के कारण अनेक छोटे दुकानदारों ने समय से पहले ही अपना कारोबार समेट लिया है। जिले के विभिन्न मार्गों और कस्बों में इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। बेरला नगर में जहां पहले लगभग एक दर्जन गन्ने के रस की दुकानें संचालित होती थीं, वहां अब केवल एक दुकान ही बची है। इसी प्रकार बेमेतरा शहर, राष्ट्रीय राजमार्ग, दुर्ग-बेमेतरा स्टेट हाईवे तथा मुंगेली-बेमेतरा मार्ग के कई कस्बों में भी बड़ी संख्या में जूस केंद्र बंद हो गए हैं। ये दुकानें गर्मी में राहगीरों और आम लोगों को राहत देने का प्रमुख माध्यम थीं।

बाहरी गन्ने की बढ़ी कीमतों ने तोड़ी व्यापारियों की कमर

लागत बढ़ी, मुनाफा घटा

दुकानदारों के अनुसार वर्तमान में थोक बाजार में गन्ने की कीमत 1300 से 1500 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच चुकी है। एक सामान्य जूस दुकान में प्रतिदिन एक से डेढ़ क्विंटल गन्ने की खपत होती है। इसके अलावा मशीन संचालन के लिए डीजल, बर्फ, नींबू और अन्य आवश्यक सामग्री की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। ऐसे में व्यवसाय की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि बाहरी राज्यों से आने वाले गन्ने की गुणवत्ता भी भीषण गर्मी के कारण प्रभावित हो रही है। लंबे परिवहन के दौरान गन्ना सूखने और खराब होने की समस्या सामने आ रही है, जिससे रस की गुणवत्ता पर भी असर पड़ रहा है।

ग्राहकों को बनाए रखने नुकसान में बेच रहे रस

शहरी क्षेत्रों के कुछ दुकानदार अभी भी ग्राहकों को बनाए रखने के लिए कम मुनाफे या नुकसान में गन्ने का रस बेचने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि यदि कीमतें और बढ़ाईं गईं तो ग्राहक दूर हो जाएंगे, जबकि वर्तमान दरों पर बिक्री करने से लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है। गर्मी में राहत का प्रमुख साधन हुआ दुर्लभ प्रचंड गर्मी के बीच गन्ने का रस आम लोगों के लिए सबसे लोकप्रिय और स्वास्थ्यवर्धक पेयों में शामिल रहा है। लेकिन इस वर्ष गन्ने की कमी और बढ़ती महंगाई ने इसे आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी गंभीर है, जहां ताजा गन्ने का रस लगभग नदारद हो चुका है। ऐसे में गर्मी से राहत पाने के लिए लोगों को वैकल्पिक पेयों का सहारा लेना पड़ रहा है।

एमआर कंपनी के कोयला टैंक में लगी आग, बड़ा हादसा टला

भिलाई। हथखोज भिलाई तीन स्थित एमआर इंटरप्राइजेज कंपनी में मंगलवार देर रात कोयला टैंक में आग लगने का मामला सामने आया है। अचानक लगे इस भीषण आग की सूचना दमकल कर्मियों को मिलने पर कड़ी मशक्कत के बाद आाग पर काबू पाया गया। मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार देर रात 2 बजे भिलाई 3 के हथखोज में स्थित एमआर इंटरप्राइजेज कंपनी के कोयला टैंक में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही एक दमकल वाहन और अग्निशमन कर्मियों की टीम मौके पर पहुंची और दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मौके पर पहुंचने के बाद अग्निशमन दल ने देखा कि कंपनी के भीतर कोयला टैंक में आग तेजी से फैल रहा है। आग की लपटे लगातार तेजी से निकल रही हैं। जिसे देख टीम ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया।

भीषण गर्मी में राहगीरों को पिलाया गया ठंडा शरबत, गुरु साहिब के सेवा और मानवता के संदेश को किया स्मरण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बेमेतरा

सिक्ख धर्म के पंचम पातशाह एवं शहीदों के सरताज श्री गुरु अर्जन देव जी महाराज के पावन शहीदी दिवस पर छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज एवं समूह साध संगत बेमेतरा द्वारा श्रद्धा और सेवा भाव के साथ मीठे ठंडे शरबत की छबील लगाकर राहगीरों की प्यास बुझाई गई।

यह आयोजन गुरु गोबिंद सिंह चौक, बेमेतरा में संपन्न हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने शरबत ग्रहण कर गुरु साहिब की शिक्षाओं को याद किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समाजजनों ने श्री गुरु अर्जन देव जी महाराज को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके अद्वितीय बलिदान, सेवा और मानवता के संदेश को स्मरण किया। पूर्व विधायक एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि गुरु अर्जन देव जी का जीवन त्याग, समर्पण, सहनशीलता और मानव कल्याण की प्रेरणा देता है। उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में प्रेम, भाईचारा और सद्भावना को बढ़ावा दिया जा सकता है। वक्ताओं ने बताया कि मुगल बादशाह जहांगीर के शासनकाल में गुरु अर्जन देव जी महाराज को अमानवीय यातनाएं दी गईं। उन्हें तपते तवे पर बैठाया गया और ऊपर से गर्म रेत डाली गई, लेकिन उन्होंने धर्म, सत्य और मानवता की रक्षा के लिए अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने "तेरा भाणा मीठा लागे" का अमर संदेश देकर ईश्वर की इच्छा को स्वीकार करने, धैर्य रखने और मानव सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा, रायपुर भाजपा जिला प्रभारी राजेंद्र शर्मा, छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के जिला अध्यक्ष सरदार हरदीप सिंह राजा छाबड़ा, पार्षद रोशन दत्ता, विकास तंबोली, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सेवादार बलवंत सिंह गुंबर, दिलीप सलूजा, जगजीत सिंह पप्पी आजमानी, इंदर सिंह दत्ता, प्रतीम हुरा, जोगेंद्र छाबड़ा, मालख गुंबर, नंदू छाबड़ा, मंटू सलूजा, गुरभेज सिंह सलूजा, अंकित सलूजा, यश सलूजा, सौरभ सलूजा, ललित विश्वकर्मा, अनीश सलूजा, रणजीत सिंह, यश सिंह खालसा, रिमांशु खनूजा, लक्की दत्ता, सिन्दरू छाबड़ा, रिजक हुरा, बबली हुरा, गुरप्रीत कौर शैली छाबड़ा सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य एवं संगत बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सेवा, समर्पण और मानव कल्याण की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया गया। श्रद्धालुओं ने गुरु साहिब के पावन बलिदान को नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ ने सीएमएचओ से की शिकायत, मनमानी कार्यप्रणाली से शासकीय कार्य प्रभावित होने का दावा

साजा बीएमओ पर स्वास्थ्य सचिव के निर्देशों की अनदेखी का आरोप, कर्मचारियों में नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बेमेतरा

साजा विकासखंड के खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) की कार्यप्रणाली को लेकर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ, जिला शाखा बेमेतरा ने बीएमओ साजा पर स्वास्थ्य सचिव के निर्देशों की अनदेखी करने तथा कर्मचारियों के बीच भेदभावपूर्ण व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

इस संबंध में संघ की ओर से जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) बेमेतरा को शिकायत पत्र सौंपकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है। संघ की साजा ब्लॉक अध्यक्ष कविता वानखेड़े एवं ब्लॉक कार्यकारिणी के माध्यम से प्रस्तुत शिकायत में कहा गया है कि बीएमओ साजा द्वारा स्वास्थ्य सचिव के आदेशों का पालन नहीं किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष की स्थिति निर्मित हो रही है। कर्मचारियों का कहना है कि उप स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर एवं ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक दोनों को अपने-अपने निर्धारित दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए, लेकिन बीएमओ द्वारा कथित रूप से ऐसे निर्णय लिए जा रहे हैं। जिनसे दोनों वर्गों के कर्मचारियों के बीच विवाद की स्थिति बन रही है। संघ के अनुसार स्वास्थ्य सचिव द्वारा जारी दिशा-निर्देशों तथा विभागीय नियमों के विपरीत कार्य किया जा रहा है। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि टर्म्स ऑफ रेफरेंस के नियमानुसार सी एच ओ को नियमित टीकाकरण कार्य में शामिल नहीं किया जा रहा है, जबकि विभागीय व्यवस्था के अनुसार उन्हें भी निर्धारित जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए।

कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया है कि विकासखंड स्तर पर सी एच ओ और आर एच ओ की संयुक्त बैठकें आयोजित नहीं की जा रही हैं, जिससे समन्वय की कमी पैदा हो रही है और स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उनका कहना है कि संयुक्त बैठकों के अभाव में कार्यों के बंटवारे एवं जिम्मेदारियों को लेकर भ्रम की स्थिति बनी रहती है। शिकायत में ड्यूटी व्यवस्था को लेकर भी गंभीर आपत्ति दर्ज कराई गई है। कर्मचारियों के अनुसार उप स्वास्थ्य केंद्र कोंगियाकला एवं केहका में कर्मचारी पदस्थ होने के बावजूद उप स्वास्थ्य केंद्र गाड़ाडीह एवं कुरलू के ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजकों की ड्यूटी वहां लगाई जा रही है। इससे संबंधित कर्मचारियों को दो-दो स्थानों पर कार्य करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक एवं मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही आधार आधारित उपस्थिति दर्ज कराने में भी व्यावहारिक कठिनाइयां उत्पन्न हो रही हैं।

संघ ने अपने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया है कि जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक दिनांक 17 दिसंबर 2025 के एजेंडा क्रमांक-06 एवं कार्यवाही विवरण के बिंदु 211 का पालन नहीं किया जा रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि उक्त निर्णयों के अनुपालन से कई प्रशासनिक समस्याओं का समाधान संभव था, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई पहल नहीं की गई है। स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ का आरोप है कि इस संबंध में खंड चिकित्सा अधिकारी साजा को कई बार पत्राचार एवं मौखिक रूप से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इसके चलते कर्मचारियों एवं अधिकारियों के बीच आपसी मनमुटाव और तनाव की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जिसका असर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर भी पड़ सकता है। संघ ने सीएमएचओ बेमेतरा से मामले की निष्पक्ष जांच कर स्वास्थ्य सचिव के निर्देशों एवं जिला स्तरीय समिति के निर्णयों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है, ताकि कर्मचारियों के बीच समन्वय स्थापित हो सके और आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।